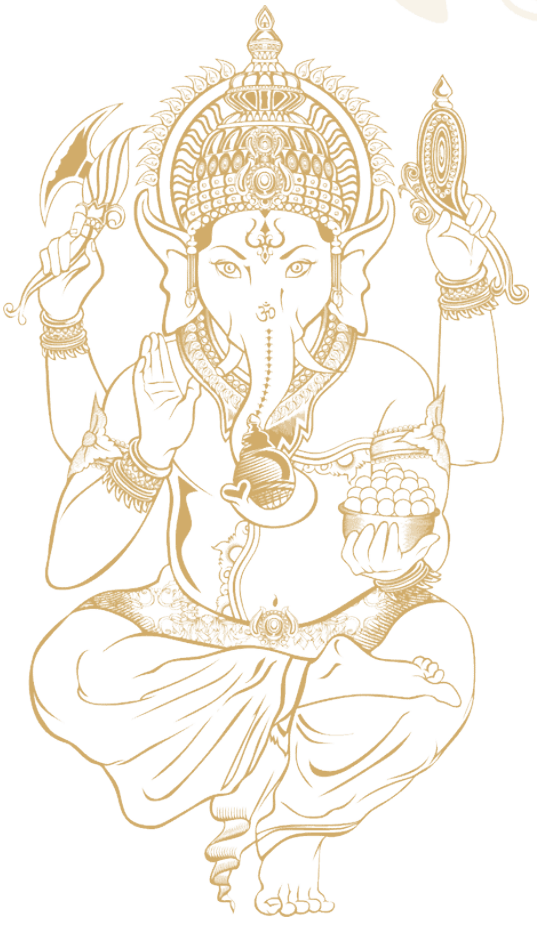

Sonik

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121686004

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/06/1992	जन्म तिथि	22/03/2026
मंगलवार	दिन	रविवार
घंटे 08:40:00	जन्म समय	17:50:00 घंटे
घटी 08:12:10	जन्म समय(घटी)	28:36:48 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:08	सूर्योदय	06:23:16
19:20:35	सूर्यास्त	18:33:18
23:45:23	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:30

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 0वर्ष 8मा 5दि		13:40:39	कर्क	लग्न	सिंह	28:56:14	शुक्र 4वर्ष 5मा 0दि	
चन्द्र		01:28:11	मिथु	सूर्य	मीन	07:39:41	शुक्र	
20/02/2019		12:02:13	धनु	चंद्र	मेष	23:43:20	22/03/2026	
19/02/2029		07:19:33	मेष	मंगल	कुंभ	21:27:22	21/08/2030	
चन्द्र	21/12/2019	18:34:02	मिथु	बुध	कुंभ	14:24:19		00/00/0000
मंगल	21/07/2020	13:55:19	सिंह	गुरु	मिथु	21:04:17		00/00/0000
राहु	20/01/2022	02:08:19	मिथु	शुक्र	मीन	25:42:34		00/00/0000
गुरु	22/05/2023	24:27:18	मक व	शनि	मीन	10:08:21		00/00/0000
शनि	21/12/2024	06:53:56	धनु	राहु व	कुंभ	14:35:10		00/00/0000
बुध	22/05/2026	06:53:56	मिथु	केतु व	सिंह	14:35:10		22/03/2026
केतु	21/12/2026	23:07:35	धनु व	हर्ष	वृष	04:09:01	शनि	21/08/2026
शुक्र	21/08/2028	24:25:39	धनु व	नेप	मीन	07:37:13	बुध	21/06/2029
सूर्य	19/02/2029	26:54:39	तुला व	प्लूटो	मक	10:49:08	केतु	21/08/2030

लग्न-चलित

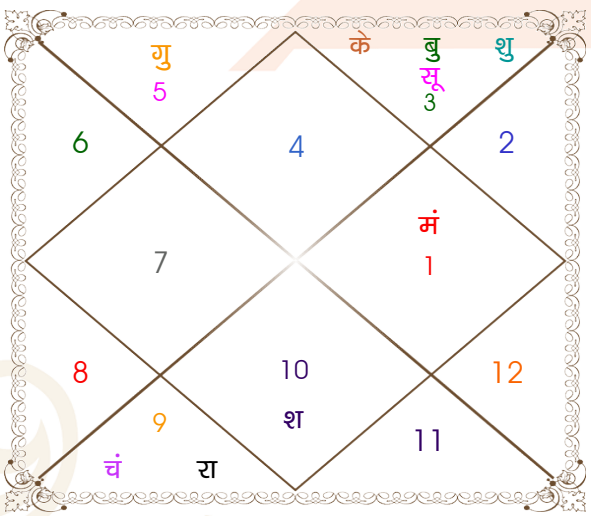

लग्न-चलित

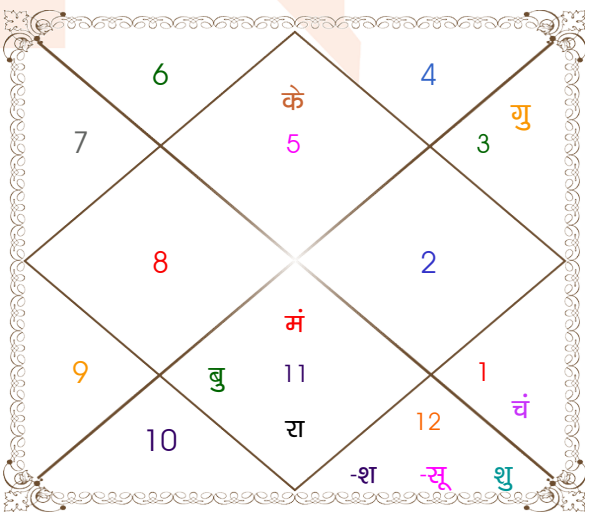

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Sonik का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sonik और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Sonik मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms. कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Sonik कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Sonik कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sonik तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।